

This question paper contains 8 printed pages.]

*Your Roll No. ....*

**2361**

**A**

**M.A. History/IV Semester**

**Course—HSM—214**

**Indian Epigraphy from CAD-550**

**(Admission of 2009 and onwards)**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 75*

*(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)*

**Note** : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt any four questions.*

*All questions carry equal marks.*

कोई चार प्रश्न कीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

[P.T.O.]

1. Comment with reference to the context, on any *three* of the following :

किन्हीं तीन पर सप्रसंग टिप्पणी कीजिए :

- (i) यो मौखरेः समितिषूद्धत हूणसैन्या

वल्गदघटा विघटयन्तुरुवारणानाम् ।

सम्मूर्च्छितः सुखधूर्वरयन्ममेति

तत्पाणि पङ्कजसुखस्पर्शाद्विबुद्धः ।।

Who, breaking up proudly roaring array of the mighty elephants of the Maukhari, who had thrown aloft in battle the Hūṇas, became unconscious and then was revived by a pleasing touch of the lily like hands of the divine damsels making a choice among them saying 'this one is mine'.

जोकि उद्धत हूण सेना वाले मौखरि से युद्ध में उसके गरजते हुए हाथियों की घटा को विघटित करते हुए मूर्च्छित होकर सुर-वधुओं के कर-कमलों के सुखद स्पर्श से 'यह मेरी है' कहकर उनमें से चुनते हुए प्रबुद्ध हुआ ।

- (ii) तस्मिन्सुरेश्वर-विभूतिगतामिलापे

राजाभवत्तदनुज किल मङ्गलीशः ।

य पूर्व्व-पश्चिम-समुद्रतटो विताश्वसेना-

रज-पट विनिर्मित दिग्वितानः ।।

When his desire was bent on the dominions of the lord of the gods, his younger brother Maṅgalīsha whose horses were picketed on the shores of the oceans of the East and the West, and who covered all the points of the compass with a canopy through the dust of his armies—became king.

जब उसकी अभिलाषा इन्द्र की विभूति प्राप्त करने की हुई तब उसका अनुज मङ्गलेश, जिसकी पश्चिम से पूर्व समुद्र-तट तक विद्यमान अश्वसेना द्वारा उत्पन्न धूल से बने आच्छादन ने समस्त दिशाओं को ढक लिया था, राजा बना।

- (iii) छिम्पक कोलिक पदकाराणां यथानुरूपकर्मणः  
जनपदमूल्याद्राजकुलेऽर्द्धादानम्। लौहकाररथ-कारनापितकुंभकार प्रभृतीनां  
वारिकेण विष्टिः करणीया।

The Chhimpaka, Kolika and padakāras, who were followers of particular professions, had to pay as tax half the money that would be the price of things produced by them according to the rate prevalent in the land. The lohakāra, rathakāra, nāpita, kumbhakāras and others could be recruited for forced labour under the supervision of the vārikas.

विशिष्ट व्यवसायों में संलग्न छिम्पक, कोलिक तथा पदकारों को स्वतः उत्पादित वस्तुओं की कीमतों का आधा धन देश में प्रचलित दर के अनुसार कर के रूप में देना पड़ता था। विष्टि के लिए वारिकों के पर्यवेक्षण में लोहकार, रथकार, नापित, कुंभकार तथा अन्य रंगरूटों की भर्ती की जा सकती थी।

(iv) तस्यानुजः ... श्रावस्तीभुक्तौ कुण्डधानीवैषयिक सोमकुण्डिकाग्रामे समुपगतान् महासामन्त भुमहाराज-दौस्साधसाधनिक-प्रमातृ-राजस्थानीय-कुमारा-मात्योपरिक-विषयपति-भट-चाट-सेवकादीन्प्रति-वासिजानपदांश्च समाज्ञापयत्यस्तु वः सम्बिदितमयं सोमकुण्डिका ग्रामो ब्राह्मण वामरश्येन कूटशासनेन भुक्तक इति विचार्य यतस्तच्छसनं भङ्क्त्वा तस्मादाक्षिप्य च स्व-सीमा-पर्यन्तः सोद्रङ्गः सर्व्व-राजकुलाभाव्य-प्रत्याय समेतः परिहत सर्व-परिहारः विषयादुद्धृत-पिण्डः ... भूमिच्छिद्रन्यायेन मया ... प्रतिग्रहधर्मेणाग्रहारत्वेन प्रतिपादितः

His younger brother ... addresses (this) order to the **māhāsāmanta, mahārāja, daussādhāsādhānika, pramatr, rājasthānīya, kumāra, amātya, uparika, Vishayapati, bhata** and **Chāta**, servants and others, as well as to the provincials of the neighbourhood, assembled in the village of Somakunḍikā which belongs to the viṣaya of kuṇḍadhāni in the bhukti of Shravasti :

Be it known to you that having considered that this village of Somakunḍikā has been enjoyed by the Brāhman Vāmarathya on the strength of a forged edict, having therefore broken that edict and having taken (the village) from him, I have granted it, up to its boundaries, together with the **udranga**, together with (the right to) all the **pratyāya**, which ought to accrue to the house of the king, endowed with all **parihāras**, separated from the Viṣaya, in accordance with the **bhumi-chchhidranāya** as a duly accepted **agrahāra**.

उनका छोटा भाई ... श्रावस्ती भुक्ति के कुण्डधानी विषय से सम्बद्ध सोमकुण्डिका ग्राम में इकट्ठे हुए महासामन्त, महाराजा, दौःसाधसाधनिक, प्रमातार, राजस्थानीय, कुमार, अमात्य, उपरिक, विषयपति, चाट, भट सेवकों (आदि) अन्यो तथा पड़ौसी जनपद के निवासियों को (इस) आदेश की सूचना देता है :

आपको विदित हो कि इस (बात) पर विचार कर कि सोमकुण्डिका ग्राम का उपभोग ब्राह्मण वामरथ्य द्वारा एक कूट शासन के बल पर किया जाता रहा है। इसलिए उस शासन को नष्ट करके तथा उससे उस (गाँव) को लेकर हमने इसे इसकी सीमा-पर्यन्त उद्रङ्ग और राजकुल को दिए जाने वाले प्रत्यायों समेत सभी परिहारों से मुक्त, विषय से अलग करके भूमिच्छिद्रन्याय के अनुसार प्रति-गृहधर्म के अनुकूल अग्रहार के रूप में दे दिया है।

- (v) सामर्थ्ये सति निन्दितां प्रविहिता नैवाग्रजे क्रूरता बन्धुस्त्रीगमनादिभिः कुचरितैरावज्जितं नोयशः शौचाशौच्य पराऽमुखं न च भिया पैशाच्यमंगीकृत त्यागेनासमसाहसैश्च भुवने यस्साहंसाकोऽभवत् ।।

Who never committed wicked deeds, although with full opportunity, who never dishonoured the elders, nor brought disgrace on himself by perpetrating evil actions, such as going with brother's wife, & C., nor ever acted the coward's part by assuming derangement to cloak misdeeds, and took no recourse to goblin, who matched Sāhasānka's prominence in the world as adventurous only in charity and war.

सम्पूर्ण अवसर होते हुए भी कदापि कोई दुष्कर्म न करने वाला, बड़ों की अवमानना न करने वाला, भाइयों की स्त्री के साथ सहवास जैसे जघन्य कार्य करके अपने को कलंकित न करने वाला, काली करतूतों को प्रच्छन्न रखने के लिए विक्षिप्त का वेश बनाकर कायर की भूमिका न निभाने वाला तथा पिशाचसाधना की ओर उन्मुख न होने वाला, जो केवल उदारता और युद्ध में ही साहसाडक से समता के कारण विश्व में साहसी के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

(vi) हैमान येन मणिभिः रवचितान्यनर्धे-

दत्तानि विष्णुहरये च विभूषणानि ।

काश्यां व्यभूषयदनेक सुवर्णरत्नै-

र्यश्चादिकेशवविभोः प्रतिमां निवेशय ।।

Who adorned the image of Vishnu-Hari by gold ornaments set with jewels and also set up and adorned with gold and jewels the image of Ādi-Keshava at Kāshi.

जिसने रत्नों से जटित सोने के आभूषणों से विष्णु-हरि की प्रतिमा को सुशोभित किया तथा काशी में आदि केशव की मूर्ति की स्थापना की और उसे सुवर्ण तथा मणियों से सुसज्जित किया।

2. Trace the course of struggle for supremacy between the Maukharis and the later Guptas after the decline of the Guptas.

गुप्तों के पतन के पश्चात् मौखरियों और परवर्ती गुप्तों के बीच संप्रभुता के लिए हुए संघर्ष की प्रगति का चित्रण कीजिए।

3. Point out the significance and characteristic features of Harāha Stone Inscription.

हड़हा शिलालेख के महत्त्व तथा मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

4. What do you know about the Chalukyas ? Assess the value of Aihole Stone Inscription of Pulakeshin II for understanding the history of the Chalukyas of Vatapi and their contemporary rulers.

चालुक्यों के विषय में आप क्या जानते हैं ? वातापी के चालुक्यों तथा उनके समसामयिक शासकों के इतिहास को समझने के लिए पुलकेशिन द्वितीय के शिलालेख के महत्त्व का आंकलन कीजिए।

5. Give an account of the administration and revenue system of the Palas of Bengal as known from their inscriptions.

अभिलेखों से ज्ञात बंगाल के पालों के प्रशासन तथा राजस्व व्यवस्था का विवरण दीजिए।

6. Bring out the main features of the history and achievements of the Pratihara dynasty of Jodhpur. How were they related to the Pratiharas of Kannauj ?

प्रतिहारों के जोधपुर राजवंश के इतिहास तथा उनकी उपलब्धियों की मुख्य विशेषताओं को समझाइये। वे कन्नौज के प्रतिहारों से कैसे सम्बन्धित थे ?

7. Discuss the salient features of agrarian relations in early medieval India as known from the study of the inscriptions prescribed in your course.

आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित अभिलेखों के अध्ययन के आधार पर आरम्भिक मध्यकालीन भारत के कृषि सम्बन्धों की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

8. What light is thrown by the Motupalli Pillar inscription on the history of the Kākatiyas ? Elucidate.

मोतूपल्ली स्तम्भ लेख से काकतीयों के इतिहास पर क्या प्रकाश पड़ता है ? स्पष्ट कीजिए।